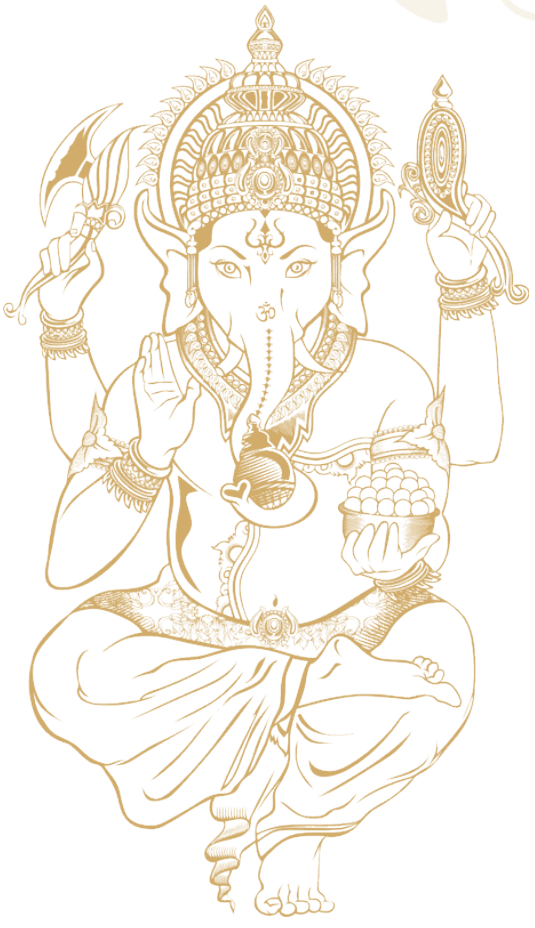

Mr.rahul bola

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120682902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/10/1994	जन्म तिथि	14/03/1997
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 18:46:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 30:55:45	जन्म समय(घटी)	38:01:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Panipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:41	सूर्योदय	06:33:36
17:48:46	सूर्यास्त	18:29:35
23:47:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 12वर्ष 0मा 7दि		20:50:25	मेष	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि	
शुक्र		01:08:44	तुला	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु	
25/10/2013		20:34:22	मीन	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010	
25/10/2033		13:48:53	कर्क	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028	
शुक्र	24/02/2017	07:03:13	तुला व	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
सूर्य	24/02/2018	24:51:20	तुला	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
चन्द्र	26/10/2019	23:39:21	तुला व	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
मंगल	25/12/2020	12:17:54	कुंभ व	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
राहु	26/12/2023	21:01:59	तुला व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
गुरु	26/08/2026	21:01:59	मेष व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
शनि	25/10/2029	28:43:00	धनु	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
बुध	25/08/2032	26:51:24	धनु	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
केतु	25/10/2033	02:55:07	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

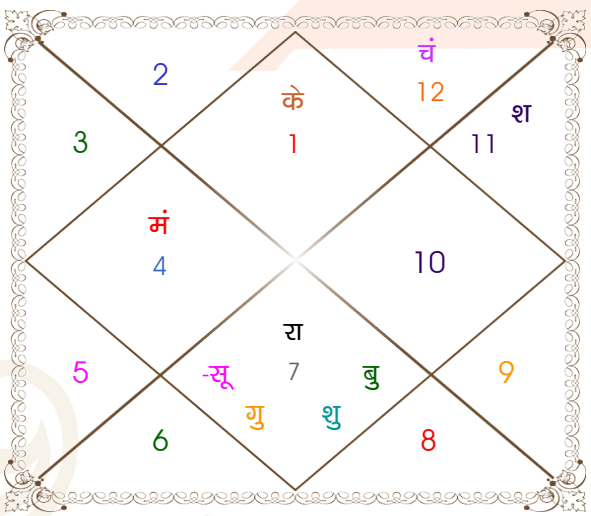

लग्न-चलित

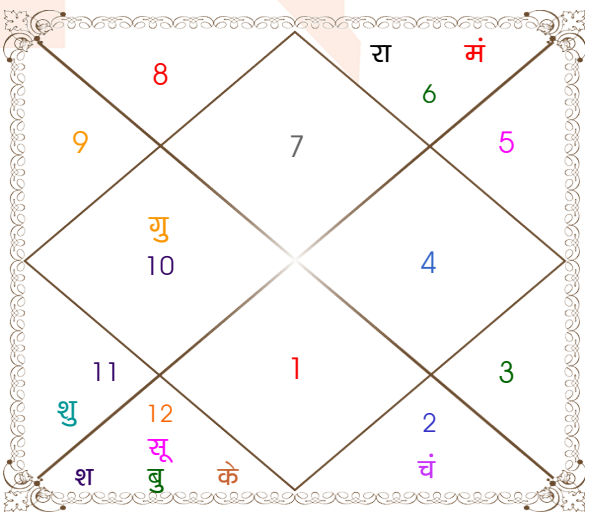

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.rahul bola का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.nirali का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr.rahul bola का वर्ग सर्प है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.rahul bola और Ms.nirali का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.rahul bola मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.rahul bola कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात यदि बली गुरु और शुक्र स्वराशि या उच्च होकर लग्न या सप्तम भाव में हों तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि गुरु और शुक्र Mr.rahul bola कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.rahul bola कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.rahul bola कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.rahul bola तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।